प्रधानमंत्री की यात्रा भारत-अमेरिका वैश्विक भागीदारी में महत्वपूर्ण क्षण

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री की राजकीय यात्रा के लिए वाशिंगटन, डी. सी. पहुंचे भारत में अमेरिकी राजदूत टिमोथी जे. रोमर ने कहा, ''आज अमेरिका और भारत ने परस्पर हितों, साझा मूल्यों और जोशीली मित्रता के आधार पर नई वैश्विक भागीदारी की शुरुआत की है। हमारे दोनों देश मिलकर 21वीं सदी को आकार देंगे और उन वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करेंगे जिनसे हमारा ग्रह जूझ रहा है। अपने नागरिकों को आतंकवाद से बचाने, अमेरिकियों और भारतीयों के लिए व्यापार और आर्थिक अवसरों को विकसित करने, अपनी भावी पीढ़ियों को शिक्षित करने जिससे कि वे उन वैश्विक चुनौतियों का समाधान कर सकें जिनसे यह दुनिया जूझ रही है, और उन प्रौद्योगिकियों में निवेश जो हम सभी को पर्यावरण के लिहाज से टिकाऊ और आर्थिक रूप से उज्जवल भविष्य प्रदान करे, इनके लिए हमने मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह यात्रा मानवीय प्रयासों के सभी क्षेत्रों को अपने दायरे में लेने वाली- आतंकवाद से मुकाबले से लेकर जलवायु परिवर्तन तक, शिक्षा से लेकर महिला सशक्तिकरण तक, और विज्ञान से लेकर सुरक्षा तक- हमारी महा-भागीदारी और उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित करती है।''

यात्रा के दौरान अमेरिका और भारत ने व्यापक क्षेत्रों में सामरिक सहयोग को आगे बढ़ाया है। आतंकवाद से मुकाबले के लिए सहयोग की पहल से हमारे नागरिकों को उनके रहने, पढ़ने, काम करने और आराधना करने के स्थानों पर भयभीत करने वाले वैश्विक आतंकवाद से लड़ने में हमारे साझा प्रयासों को मज़बूती मिलेगी जो पहले से ही असाधारण स्तर पर है। हमारे नेता स्वतंत्र और स्थायित्व वाला अफगानिस्तान बनाने के प्रयासों को बढ़ावा देने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने मानवीय, आपदा राहत और समुद्री सुरक्षा के प्रयासों को आदान-प्रदान, युद्धाभ्यास, और सैन्य सामग्री की बिक्री में आपसी सहयोग समेत रक्षा सहयोग को विस्तार देने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने वैश्विक परमाणु अप्रसार और परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के साझा विचार को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है।

हमारे देशों ने स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने के लिए स्वच्छ ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन पहल शुरू की है। हमारी साहसिक भागीदारी से सभी भारतीयों की स्वच्छ और सहनीय खर्च वाली ऊर्जा तक ज़्यादा पहुंच होगी और दोनों देशों के नागरिकों के लिए आर्थिक अवसर पैदा होंगे। दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन पर और आगे अमल के लिए अपने देशों की उन विशेष भूमिकाओं को पहचाना है जो वे अदा करेंगे। भारत और अमेरिका, दोनों साझा लेकिन विशिष्ट उत्तरदायित्व के सिद्धांत के आधार पर कोपनहेगन में सफल नतीज़ों को प्रोत्साहित करने के महत्व को समझते हैं।

राष्ट्रपति ओबामा और प्रधानमंत्री सिंह ने हमारे देशों की पोलियो की महाविपत्ति को कम करने और वैश्विक तौर पर बीमारियों के फैलने के खतरों से मुकाबले के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। हम नए खतरों की पहचान और विश्व स्तर पर फैलने वाली बीमारियों से बेहतर ढंग से जूझने के लिए संयुक्त रूप से वैश्विक रोग पहचान कार्यक्रम पर अमल करेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में ओबामा-सिंह 21वीं सदी ज्ञान पहल से विश्वविद्यालयों के बीच आदान-प्रदान, कनिष्ठ स्तर पर शिक्षकों के विकास और प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने वालों के लिए शिक्षा के अवसरों को मज़बूती देने वाले प्रोग्राम के जरिये अमेरिकी और भारतीय विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क मजबूत होंगे।

अमेरिका-भारत सीईओ फ़ोरम के जरिये निजी क्षेत्र के अगुआ एकसाथ आए जिससे कि व्यापार और निवेश के दुतरफा प्रवाह को बढ़ावा मिले और अमेरिका, भारत दोनों में नए तौरतरीकों की खोज को प्रोत्साहन मिले और रोज़गार का सृजन हो।

राजदूत रोमर ने आखिर में कहा, ''प्रधानमंत्री सिंह की यात्रा हमारी ऊर्जावान और आशावादी भागीदारी को फिर से पुष्ट करती है जिसके संबंधों की प्रकृति स्थानीय है लेकिन वे अपनी विरासत और प्रभाव के लिहाज से वैश्विक हैं। यह यात्रा एक नए युग के लिए साहसिक अमेरिका-भारत भागीदारी के टिकाऊ भविष्य को सुनिश्चित करती है।''